Radha Chalisa | राधा चालीसा

दोहा

श्रीराधे वृषभानुजा , भक्तानी प्राणाधार |
वृन्दावपिनि वहिारन्निी , प्रन्नावोम बारम्बार ||
जैसो तैसो रवारोऊ , कृष्ण -प्रयि सुखधाम |
चरण शरण नजि दीजयि , सुन्दर सुखद ललाम ||

चौपाई

जय वृषभान कुंवारी श्री श्यामा | कीरत नंदनिी शोभा धामा ||
नति्य वहिारणिी श्याम अधर | अमति बोध मंगल दातार ||1||
रास वहिारणिी रस वसि्तारनि | सहचरी सुभाग यूथ मन भावनी ||2||
नति्य कशिोरी राधा गोरी | श्याम प्रन्नाधन अत जियिा भोरी ||3||
करुना सागरी हयि उमंगनिी | ललतिादकि सखयिाँ की संगनी ||4||
दनिकर कन्या कूल वहिारणिी | कृष्ण प्रण प्रयि हयि हुल्सवानी ||5||
नति्य श्याम तुम्हारो गुण गावें | श्री राधा राधा कही हर्शवाहीं ||6||
मुरली में नति नाम उचारें | तुम कारण लीला वपु धरें ||7||
प्रेमा स्वरूपणिी अत सुकुमारी | श्याम प्रयि वृषभानु दुलारी ||8||
नावाला कशिोरी अत चाबी धामा | द्युत लघु लाग कोट रत कामा ||9||
गौरांगी शश नदिक वदना | सुभाग चपल अनयिारे नैना ||10||
जावक यूथ पद पंकज चरण | नूपुर ध्वनी प्रीतम मन हारना ||11||
सन्तता सहचरी सेवा करहीं | महा मोड़ मंगल मन भरहीं ||12||
रसकिन जीवन प्रण अधर | राधा नाम सकल सुख सारा ||13||
अगम अगोचर नति्य स्वरूप | ध्यान धरत नशिदिनि ब्रजभूपा ||14||
उप्जेऊ जासु अंश गुण खानी | कोटनि उमा राम ब्रह्मणा ||15||
नति्य धाम गोलोक बहिारनिी | जन रक्षक दुःख दोष नासवानी ||16||
शवि अज मुन सनकादकि नारद | पार न पायं सेष अरु शरद ||17||
राधा शुभ गुण रूपा उजारी | नरिख प्रिसन्ना हॉट बनवारी ||18||
ब्रज जीवन धन राधा रानी | महमिा अमति न जय बखानी ||19||
प्रीतम संग दएि गल बाहीं | बहिारता नति वृन्दावन माहीं ||20||
राधा कृष्ण कृष्ण है राधा | एक रूप दौऊ -प्रीती अगाधा ||21||
श्री राधा मोहन मन हरनी | जन सुख प्रदा प्रफुल्लति बदानी ||22||
कोटकि रूप धरे नन्द नंदा | दरश कारन हति गोकुल चंदा ||23||
रास केल कर तुम्हें रझिावें | मान करो जब अत दुःख पावें ||24||
प्रफ्फुल्लति होठ दरश जब पावें | ववििध भांत नति वनिय सुनावें ||25||
वृन्दरन्य वहिारन्निी श्याम | नाम लेथ पूरण सब कम ||26||
कोटनि यज्ञ तपस्या करुहू | ववििध नेम व्रत हयि में धरहु ||27||
तू न श्याम भक्ताही अपनावें | जब लगी नाम न राधा गावें ||28||
वृंदा वपिनि स्वामनिी राधा | लीला वपु तुवा अमति अगाध ||29||
स्वयं कृष्ण नहीं पावहीं पारा | और तुम्हे को जननी हारा ||30||
श्रीराधा रस प्रीती अभेद | सादर गान करत नति वेदा ||31||
राधा त्यागी कृष्ण जो भाजहिाई | ते सपनेहूँ जग जलध न तरहिं ||32||
कीरत कुमारी लाडली राधा | सुमरति सकल मटिह भाव बड़ा ||33||
नाम अमंगल मूल नासवानी | ववििध ताप हर हरी मन भवानी ||34||
राधा नाम ले जो कोई | सहजही दामोदर वश होई ||35||
राधा नाम परम सुखदायी | सहजह कृपा करें यदुराई ||36||
यदुपत नंदन पीछे फरिहिैन | जो कौउ राधा नाम सुमरिहिैन ||37||
रास वहिारणिी श्यामा प्यारी | करुहू कृपा बरसाने वार ||38||
वृन्दावन है शरण तुम्हारी | जय जय जय व्र्शभाणु दुलारी ||39||

दोहा

श्री राधा रसकिश्वर घनश्याम |
करुहूँ निरंतर वास मई श्री वृन्दावन धाम ||40||